

विचार बिन्दु

भातृभाव का अस्तित्व केवल आत्मा में और आत्मा के द्वारा ही होता है, यह और किसी के सहारे टिक ही नहीं सकता। -श्री अरविंद

अपरिमित ऊंचाइयों व चौड़ाइयों में बढ़ता भारत में भ्रष्टाचार

लोकतंत्र या कहेँ प्रजातंत्र या समाजवाद अथवा और भी कोई नाम जिनकी फिलोसॉफी और कृत्य इनसे मिलते-जुलते हैं, सभी भ्रष्टाचार के जनक हैं। इतना ही नहीं जिनोखे भी इस तरह के तंत्रों की अनुसंधान की वास्तव में वे सभी भी भारत में भ्रष्टाचार के दादा या पडदादा हैं, ऐसा कहने में मुझे कोई आपत्ति नहीं। मेरी ऐसी धारणा अथवा सोच केवल मेरी ही नहीं है बल्कि असंख्य ऐसी सोच रखते हैं, वे व्यक्ति नहीं करते इनमें तथाकथित कतिपय वे लोग भी शामिल हैं जो हमारे द्वारा ही चुनकर उन बड़े घरों में बैठ कर हमारे ऊपर शासन चलाते हैं। सही सोच होने पर भी वहां वे लोग मूक रहना पसंद करते हैं, उनकी ऐसी प्रवृत्ति के कारणों पर जाना इस लेख की विषय सामग्री में नहीं बना सकता, क्योंकि ऐसा करने से इस लेख के उद्देश्य से विमुख होने की सम्भावना बनती है। परन्तु चुनने के बाद उन्हें सभी प्रकार की सुरक्षा स्वतः मिलना संविधान के अंतर्गत शुरू हो जाती है जिसमें भ्रष्टाचार में संलिप्त होने अथवा खुद करने की आजादी भी शामिल है। ऐसे लोग चूँकि किसी न किसी क्षेत्र से जनता द्वारा मेजोरिटी से चुने होते हैं, भले ही उन्हें सत्तर प्रतिशत जनता ने नहीं चुना हो।

आज से कई वर्ष पहले भी अपने एक लेख में मैंने यह उल्लेख किया था जो वास्तव में मेरी सोच नहीं बल्कि रूस के एक विद्वान समाजशास्त्री ने अपनी पुस्तक में किया उसका नाम है, सोरोस्की। उनका कथन है कि किसी भी देश को जहाँ डेमोक्रेसी या लोकतंत्र पाटी आधारित हो वहाँ भ्रष्टाचार ऊपर से नीचे और दाएँ से बायें फैलना अवश्यम्भावी है। और भारत में भी आजादी के बाद ऐसा ही हुआ है। वर्तमान में यह दैत्य इतना प्रबल हो चुका है कि पूरी कड़ी में इसे कहीं से भी हिलाना दुष्कर है। और यदि कोई ऐसा प्रयास भी करता है तो वह अलगथलग कर दिया जाता है इसलिए बात आकर अटकती है जनता पर। देश की जनता मूर्ख, अविवेकी, स्वार्थी, राष्ट्र विरोधी, आदि विशेषणों से विभूषित हो चुकी है। इसलिए मैं इस लेख में पाठकों को ऐसी प्रवृत्ति से निपटने के लिए कोई सूत्र नहीं दे रहा हूँ और ऐसी आशा भी नहीं करनी चाहिए क्योंकि समस्या समस्या व्यापक है। केवल मैं तो अपनी सोच, जो हो सकता है अन्य की भी हो, पाठकों को अवगत कराना चाहता हूँ।

शोधक में मैंने भ्रष्टाचार की ऊंचाइयों और चौड़ाइयों में वृद्धि का उल्लेख किया है। इसका आशय है कि यह देश के कण कण में अब विध्वान है, और इसके असंख्य रूप हैं, उदाहरण के लिए राजस्थान के सरकारी स्कूलों के अध्यापकों के बिना जरूरत पलटन पलायन सदृश्य थोक में स्थानांतरण; नियम विरुद्ध निर्माणों को संरक्षण, नियुक्तिओं में सिफारशें, विश्वविद्यालयों में कुलपतिओं की नियुक्ति, महाविद्यालयों में वांछित योग्यता से हटकर अन्य कारणों से नियुक्तियाँ, भवन निर्माण में कमीशनाखरी, फर्जी डिग्री प्रदान करने, झूटे यात्रा बिल बना कर पेमेंट लेने, सरकारी खरीद में कमीशन आदि।

वर्तमान में प्रधान मंत्री की भी सामर्थ्य नहीं कि वे अकेले इस राक्षस को धराशाही कर सकें, वे तो अभी से ही जनता का सहयोग मांग रहे हैं। यह अलग बात है कि उनके काल में कानपुर से कनौज, बंगाल से महाराष्ट्र, देहली से हरियाणा, उत्तर प्रदेश से होते हुए बिहार, मध्यप्रदेश से राजस्थान, हरयाणा, पंजाब, आदि सभी जगह भ्रष्टाचार की बेल पोंड चुकी है और अभी तो यह पेरिनियल (सदैव फलने फूलने वाली) है। इस बेल की एक विशिष्ट पहचान है कि यह अंकुरित होते ही फल देने लगती है।

नॉएडा दिल्ली में अभी भ्रष्टाचार से बने दो दिवन टावर 32 मंजिला व 100 मीटर से भी अधिक ऊंचाई के आवासीय बिल्डिंग के न्यायलय के आदेश से प्रशासन ने दस सेकंड से कम समय में गिरा दिए। ये सब जनता की जागरूकता और एक जुटता का अनूठा उदाहरण है। इसलिए जो लोग इससे जुड़े वे सभी प्रसंशा के पात्र हैं।

मंत्रों नहीं देखा चाहते। इस सबके बावजूद मोदी जी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वाधिक लोकप्रिय राजनेता हैं। असल में मोदी जी ने अभी विपक्ष का कुछ बिगाड़ा नहीं है बल्कि अनेकों के प्रति घोषालों व भ्रष्टाचार के मामले चल रहे हैं। यही बात सबको परेशान और डराए हुए है। इसलिए अनहनी के डर से मोदी को अनेक प्रकार से अहंयोग्य और बदनाम करने में लगे हैं।

आश्रय की बात यह कि किसी विरोधी के पास अभी तक कोई रचनात्मक प्रस्ताव नहीं है जिस पर वे मोदी को घेर सकें। भविष्य बताएगा कि यह बेल कब सूखती है? तबतक इसका स्वाद चखते रहिये और वार्तालाप और सम्वाद कर आनंद लेते रहिये।

एक बात मेरी समझ से परे है कि परवर्तन निदेशालय की छोपेमारी खोज में इतनी भारी संख्या में करेंसी मुद्रा कैसे निकल रही है? नोट बंदी हुए अभी चार वर्ष ही निकले हैं। उसमें कहा गया था कि सभी नोट जो चलन में थे वापिस बैंकों में आ गये। इतने कम समय में लोगों ने विशालकाय करेंसी नोट कहीं से प्राप्त कर लिए? मैं समझता हूँ किसी एक समय में रिजर्व बैंक में भी इतने नोट नहीं मिलेंगे? करेंसी नोटों की इतनी विपुल राशि जिसे रखने के किये तिजोरियाँ, अलमारियाँ कम पड़ जाय और नोटों को कमरों के फर्श पर डेरियों के रूप में एकत्रित किया जाये। यह इस बात का द्योतक है कि भ्रष्टाचार की कोई सीमा अब नहीं रही, बल्कि यह अपरिमित है।

मुझे लिखने की आवश्यकता नहीं कि एकत्रित नोटों की संख्या इतनी विशाल कि एक नहीं अनेक नोट गिनने की मशीने लगानी पड़े। मुझे आज से लगभग 50 वर्ष पूर्व घटित दिल्ली में भारतीय स्टेट बैंक की घटना याद आती है जब दिन दहाड़े एक व्यक्ति बैंक से धोखाधड़ी कर एक बड़ी राशि निकाल ले गया था।

नॉएडा दिल्ली में अभी भ्रष्टाचार से बने दो दिवन टावर 32 मंजिला व 100 मीटर से भी अधिक ऊंचाई के आवासीय बिल्डिंग के न्यायलय के आदेश से प्रशासन ने दस सेकंड से कम समय में गिरा दिए। ये सब जनता की जागरूकता और एक जुटता का अनूठा उदाहरण है। इसलिए जो लोग इससे जुड़े वे सभी प्रसंशा के पात्र हैं। कोआपरेटिव आंदोलन का भी यही सिद्धांत है कि जब एक ही समस्या से जनता का बड़ा समुदाय लम्बे समय से प्रसित या पीड़ित हो रहा हो तब उनमें एकजुट या संघटित होने की भावना प्रबल हो उठती है और वे मिलकर उस व्याधि को समूल विनाश कर डालते हैं।

मैं नहीं समझता कि मोदी जी अपने अगले कार्यकाल में भी यदि वे पुनः प्रधानमंत्री बनते हैं, भ्रष्टाचार के दैत्य को देश से समूल मिटा पाएंगे? फिर भी आशा करनी चाहिए कि ऐसा हो क्योंकि भ्रष्टाचार मुक्त भारत ही सबके लिए सुख, शांति, स्वस्थ और सम्पन्नता ला सकता है। लेख के अंत में चलते चलते पाठकों के मानसिक कसरत व स्वास्थ्य के हितार्थ एक समीकरण प्रस्तुत कर रहा हूँ जो मेरा नहीं है बल्कि अमेरिका की प्रसिद्ध मेगजीन 'स्पान' में वर्ष 1998 में इंग्लिश में ही छपा था, शीर्षक था 'इंटरनेशनल कोओपरेशन ऑपरेट करपाण' लेखक का नाम 'रोबर्ट क्लोटोगार्ड'।

इस समीकरण को एक बार भारत सरकार के एक मंत्री ने खुद की ईजाद बता कर एक अंग्रेजी के अखबार में ये छपा कि उन्होंने यह समीकरण बनाया है जिससे भ्रष्टाचार के पहलुओं पर प्रकाश डाला जा सकता है। अर्थात् हमारे केंद्रीय मंत्री ने भी किसी अन्य के द्वारा प्रतिपादित समीकरण को अपना बता कर अंग्रेजी के दैनिक अखबार में छपाया। मैंने उस अखबार के संपादक को विरोध स्वरूप यथातः से अवगत कराया फिर भी संपादक ने उसका कोई संज्ञान नहीं लिया।

समीकरण था :- (अनुवाद हिंदी में) भ्रष्टाचार मोनोपोली (एकाधिकार) + डिस्क्रेशन (विवेकाधिकार) - एकाउंटेबिलिटी (जवाबदेही)। यहाँ स्वंग में इस समीकरण में एक विशेषता जोड़ कर समीकरण को भारत के सम्बन्ध में अधिक सशक्त करने का प्रयास करता हूँ।

फलस्वरूप, भ्रष्टाचार = (मोनोपोली + डिस्क्रेशन - अकाउंटेबिलिटी)स. (राजकीय संरक्षण)। अर्थात् राजकीय संरक्षण के होते हुए अनुपातिक रूप से समीकरण का मूल्य कई गुना अधिक हो जाता है मेरे विद्वान पाठक इस समीकरण को यदि क्वांटिफाई कर सकें तो मैं उनका ऋणी रहूँगा। (स को कोष्टक के ऊपर रेज टू द पॉवर पड़े।)

-अतिथि सम्पादक,
प्रो.डॉ. वीर बहादुर सिंह,
(पूर्व कुलपति एवं डेयरीविज्ञ महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि.वि., उदयपुर)

राशिफल

गुरुवार 1 सितम्बर, 2022

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत् 2079, चित्रा नक्षत्र रात्रि 12:12 तक, शुक्ल योग रात्रि 10:47 तक, विधि करण रात्रि 11:30 तक, चन्द्रमा आज दिन 12:04 से तुला राशि में संचार करेगा।

शुभ स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरु-मीन, शुक्र-सिंह, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रविवोग रात्रि 12:12 तक है। आज भद्रा दिन 3:23 तक है। शुक्र सिंह राशि में सांय 4:18 पर प्रवेश करेगा। आज महागणपति चतुर्थी (स्वयं सिद्ध अर्द्ध शुद्ध) है। गणेश पत्न का श्रेष्ठ समय मध्याह्न काल (वृश्चिक लग्न) में श्रेष्ठ बताया गया है। आज दिन 11:11 से 1:43 तक जिसमें 11:58 से 1:43 तक वृश्चिक में पूजन का समय श्रेष्ठ रहेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:18 तक, शुभ 10:53 से 12:23 तक, चर 3:16 से 5:11 तक, लाभ 3:11 से सूर्यास्त तक। राहुकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:09, सूर्यास्त 6:45



पंडित अनिल शर्मा

मेष
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवाहित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरपेशा व्यक्तियों को बाहर जाना पड़ सकता है। दिन के मध्यान्ध पश्चात आर्थिक मामलों में प्राप्ति होगी और अटक हुआ घन प्राप्त होगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटक हुए कार्य बन्दे लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। नवीन कार्यों का अचका रहेगा। विवाहित मामलों से राहत मिल सकती है।

वृश्चिक
अपने आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी। धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

मिथुन
परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बन्दे लगेंगे। अटक हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी और नवीन कार्यों में उर्जित सफलता मिलेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
धार्मिक-सामाजिक समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। दिन के मध्यान्ध पश्चात अटक हुए व्यावसायिक कार्य बन्दे लगेंगे।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित खोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बन्दे कार्य विगड़ने का भय बना रहेगा। दिन के मध्यान्ध पश्चात धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए/दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मीन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

सूना सावन -वीरान बहार



डॉ. श्रीगोपाल काबरा

रस्सी से खिंचता झालर वाला पंखा, और कहीं अब डबल बैड, डनलप के गद्दे, तकिये, सोफा सेट, डाइनिंग टेबल और कुर्सियाँ, बिजली का पंखा, कूलर। मंठों और सुन्दर हैं, लेकिन इस बैठक में महमल में टाट के पैबंद से लगते हैं। बैठक इतनी बड़ी है कि यहाँ बैड रूम, ड्राईंग रूम, डाइनिंग रूम सब। बाहर बाथरूम और टायलेट का सेट पहले ही बन चुका है। जरूरी भी था, कारण अब सुबह उठ कर कुये-बावडी तो जया नहीं जा सकता, हालाँकि वे अब भी हैं, वहाँ के शिव मंदिर में अब भी पूजा अर्चना होती है। रसोई में गैस चूल्हा आ गया है। खाना स्वादिष्ट तो लगता है लेकिन चूल्हे की भीभर में मंद आंच पकती दाल या कच्चे जलते कोयले से देशी धी की लूण-धुणी दी गई पापड की चूरी, सोगरी, मूली की बात और थी। बाजरे की रोटी में वह स्वाद नहीं है। लज्जा धी की बात तो छोड़िये। अंगारों पर रखी रोटी

इस बार तय हुआ कि सावन में बरसात होने के बाद कुछ दिन आकर हवेली में रहा जाय। बैठक में ही इन्तजाम कर दिया गया। कहां तो एक बड़ा गद्दा, गाव, तकिये, मसंदे, खिडकियों में पानी छिडकी महकती खस की टट्टियाँ,

पर सूं सूं करते मक्खन में लाल मिचं, जौरे वाली सूर्यां रोटी और दही की जगह अब टोस्ट मिलते हैं। आसन पाटे की जगह टेबल पर बैठ कर खाना, बड़ा फूड-सा लगता है।

सावन का सोमवार। बरसात हो चुकी है। मौसम सुहावना है। इसी के लिए तो आये हैं। चलो अपने खेत पर चलें। वही दाल बाटी बनवा कर खामेंगे। टीलों पर गये। बड़ा सुखद लग रहा था। आंखें सावन-की-डोकरी (बीरबहुटी) की ढूढ़ रही थीं। बरसात होते ही उन तपते धोरों में से कैसे अनगिनत लाल मखमली डोकरियाँ निकल कर दुमकने लगती थीं, सदा अचंचा होता था। बचपन में गीली मिट्टी के धोरों बाने के साथ उनमें दुमकती सावन की डोकरी की मखमली टुमकी गहरे से जुड़ी थी। सावन के झूले, सावन की डोकरी। लेकिन आश्चर्य दूर दूर तक एक भी नजर नहीं आई। सुखडा काका से पूछा तो कहने लगे अब कहां सावन की डोकरी! सब खत्म हो गईं। कीटनाशक खब को लील गये। कहने लगे, हवेली के आंगन में जो बूढ़ा बगरद है उस पर गौर किया? कैसे शाम होते ही रैन बसेरा करने आई गौरया और मैनाओं से चह चहाता था। और अब, मालूम ही नहीं पडता कब शाम हो गई। कबूतर तो सूनी हवेलियों में खूब हैं लेकिन बाकी पक्षी खत्म हो रहे हैं। कीटनाशकों मिले दाना खा कर मोर मरते हैं, चील, गिद्ध समाप्त हो रहे हैं। जानवरों के शव हफ्तो सड़ते रहते हैं, कुत्ते नेचते रहते हैं। घर घर में कैसर जैसी कौजी बीमारियाँ हो रही हैं। जवान और बच्चे में लकवा हो रहा है, सांस की बिमारी हो रही है। इन्ही

लगे, परिवार में, कहीं भी स्वीकार्य नहीं होता है। वैसे भी मृत शरीर ही अकडता है और ऐसे शरीर को मिट्टी में मिला दिया जाता है यानी उसका अस्तित्व समाप्त हो जाता है। तात्पर्य यह है कि जो व्यक्ति झुकना जानता है जिसमें परिस्थिति के अनुसार ढलने की क्षमता है, वही व्यक्ति आत्मा के सहज स्वाभाविक विनय-मार्दव धर्म की आराधना करता है एवं समझौता किए बिना अपना चर्चवच कायम रह सकता है। अकसर धन, दौलत, शान और शौकत को ही मनुष्य अपना जीवन समझता है, जबकि ये सभी नाशवान हैं, क्षणभंगुर हैं ये सभी चीजें एक दिन सबको छोड़ देंगी या फिर एक दिन मजबूरन इन चीजों को छोडना ही

डॉ. श्रीगोपाल काबरा,
वरिष्ठ चिकित्सक, जयपुर

उत्तम मार्दव धर्म अर्थात् विनयशीलता, कोमलता, मृदुता का भाव होना

जैन धर्म के दशलक्षधर्म में आत्मा के स्वाभाविक धर्म हैं। ये दस धर्म सार्थक जीवन जीने के अभिन्न अंग हैं। आज दूसरा धर्म उत्तम मार्दव धर्म दिवस है। मार्दव अर्थात् विनयशील होना, मृदुता, कोमलता का भाव होना और मान, मद, अभिमान, अहंकार आदि दुर्गुणों का अभाव होना। किसी अहंकारी की तुलना मादक पदार्थ का सेवन करने वाले नशे में चूर व्यक्ति से से की जाती है। जैसे नशे में युत व्यक्ति को कोई समझा नहीं सकता, औरों की तो बात ही क्या उसके सगे संबंधी जन भी उसे समझने में असमर्थ होते हैं, उसी प्रकार प्रमादी, अभिमानी व्यक्ति को भी कोई समझा नहीं सकता।



भागचंद जैन

रहती है, जो तेज हवा, आंधी-तूफान सहन नहीं कर सकती है, उसकी निर्यति अंततः पेड से कटक अलग होना ही है। इसी प्रकार अकडने वाला व्यक्ति समाज

चाकसू में सरकारी स्कूलों के हाल बे-हाल

चाकसू, (निसं)। राज्य सरकार द्वारा बजट में शिक्षा महकमे को अच्छी खासी राशि स्वीकृत की जाती है,

■ दरवाजे एवं सुरक्षा दीवार नहीं होने से स्कूल में जानवरों का जमावड़ा

विधायक वेदप्रकाश सोलंकी स्कूलों के विकास के लिए सर्वाधिक राशि भेजने का दावा करते हैं लेकिन यह बजट कागजों में सिमट कर रह जाता है या फिर ऊपर के लेवल से निचले स्तर तक बंदरबाद हो जाती है।

आज के वक्त उपखण्ड के बडोदिया ग्राम पंचायत में स्थित राजकीय स्कूल की दशा इन दिनों बड़ी



बडोदिया सरकारी स्कूल में पड़ा जानवरों का मलवा।

पक्षियों के दाना डालने के चार चबूतरों का लोकार्पण

अजमेर, (कासं)। पार्षद कोष से निर्मित पक्षियों के दाना डालने हेतु बनाए गए 4 चबूतरों का लोकार्पण गणेश चतुर्थी पर्युषण पर्व के स्थापना दिवस पर किया गया।

पार्षद नितिन जैन ने बताया कि पक्षियों के लिये एक चबूतरा सरावगी मोहल्ला नया बाजार में, दो चबूतरे महावीर मोहल्ला चौक में, एक चबूतरा बाबू मोहल्ला चौक में बनाया गया है। सभी चबूतरों पर पानी की कुंडी व दाना डाल कर लोकार्पण किया गया। माननीय पंडित सुरेश जी दवे, सचिन जैन, जगदीश खंडेलवाल, सीपी गुप्ता जी, सुभाष जी, नितिन जी दोषी, मनीष



गणेश चतुर्थी पर्युषण पर्व के स्थापना दिवस पर पक्षियों के दाना डालने के चबूतरों का लोकार्पण किया गया।

गोधा, महावीर लुहाडिया, संजय सोनी, शंकर सोनी, गजेंद्र गोधा, राजा बाबू, दीपक पटना, नितेश सेठी, चेतन पंवार, जम्बू पाटनी, अंकुश गदिया ने समस्त रखरखाव व दाना पानी की व्यवस्था का जिम्मा के साथ शुभकामनाएं दी।

गणेश जी को भाई मानकर 11 साल से बालिका काट रही केक

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना के औद्योगिक क्षेत्र की 14 वर्षीय बालिका भूमिका पुत्री दीपक पंजाबी अपने पिता की इकलौती बेटी हैं जो विगत 11 साल से भगवान गणेश जी को अपना भाई मानकर हर साल गणेश चतुर्थी यानी उनके जन्मदिन पर केक काटकर जन्मदिन मनाती है। जानकारी के अनुसार औद्योगिक क्षेत्र के वाई नंबर 4 निवासी 14 वर्षीय भूमिका पंजाबी की मां व छोटी बहन को 12 साल पहले गैस हादसे में मौत हो गई थी तब से ही भूमिका को देख-

रख उसके पापा दीपक पंजाबी करते आ रहे हैं क्योंकि भूमिका की दादी भी नहीं हैं। जबसे भूमिका समझदार हुई है तब से भगवान गणेश को भाई मानकर गणेश चतुर्थी पर गणेश जी मंदिर में केक काटकर उनका जन्मदिन मनाती है तथा रक्षाबंधन पर हर साल उनको राखी बांधती है। पहले तो इसकी जानकारी किसी को नहीं थी परंतु जब इसकी जानकारी लोगों को मिली तो हर तरफ भूमिका की ही चर्चा सुनने को मिल रही है।



पंडित अनिल शर्मा

राशिफल

गुरुवार 1 सितम्बर, 2022

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत् 2079, चित्रा नक्षत्र रात्रि 12:12 तक, शुक्ल योग रात्रि 10:47 तक, विधि करण रात्रि 11:30 तक, चन्द्रमा आज दिन 12:04 से तुला राशि में संचार करेगा।

शुभ स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरु-मीन, शुक्र-सिंह, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रविवोग रात्रि 12:12 तक है। आज भद्रा दिन 3:23 तक है। शुक्र सिंह राशि में सांय 4:18 पर प्रवेश करेगा। आज महागणपति चतुर्थी (स्वयं सिद्ध अर्द्ध शुद्ध) है। गणेश पत्न का श्रेष्ठ समय मध्याह्न काल (वृश्चिक लग्न) में श्रेष्ठ बताया गया है। आज दिन 11:11 से 1:43 तक जिसमें 11:58 से 1:43 तक वृश्चिक में पूजन का समय श्रेष्ठ रहेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:18 तक, शुभ 10:53 से 12:23 तक, चर 3:16 से 5:11 तक, लाभ 3:11 से सूर्यास्त तक। राहुकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:09, सूर्यास्त 6:45

मेष
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवाहित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरपेशा व्यक्तियों को बाहर जाना पड़ सकता है। दिन के मध्यान्ध पश्चात आर्थिक मामलों में प्राप्ति होगी और अटक हुआ घन प्राप्त होगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटक हुए कार्य बन्दे लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। नवीन कार्यों का अचका रहेगा। विवाहित मामलों से राहत मिल सकती है।

वृश्चिक
अपने आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी। धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

मिथुन
परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बन्दे लगेंगे। अटक हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी और नवीन कार्यों में उर्जित सफलता मिलेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
धार्मिक-सामाजिक समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। दिन के मध्यान्ध पश्चात अटक हुए व्यावसायिक कार्य बन्दे लगेंगे।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित खोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बन्दे कार्य विगड़ने का भय बना रहेगा। दिन के मध्यान्ध पश्चात धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए/दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मीन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।